The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes, except for one teacher who is not a trained graduate.

(b) and (c). The same or higher grades have been given to the trained graduates. There are however three trained graduates who are on lower grades for reasons explained in reply given on date to Unstarred Question No. 1506.

Visit of Indian Experts to Australian Railways

1508. **Shri Ram Krishan Gupta**
Shri Assar:
Shri S. A. Mehdi:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether the Indian experts who recently visited Australia for intensive study of Australian Railway system have submitted any report; and

(b) if so, the main recommendations made therein for the development of Indian Railways?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). A Railway Delegation visited Australia with a view to seeing the production of timber sleepers and to meet Australian forestry officials. They also saw the Australian industry in operation specially in manufacturing fields connected with railways. The report submitted by them is receiving attention.

चीनी की उचित मूल्य वाली दूकानें

१५०९. **श्री वाजपेयी :**
श्री साधू राम :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीनी के मूल्य नियंत्रण के लिये अब तक कितने राज्यों में चीनी के वितरण के हेतु उचित मूल्य वाली दूकानें खोली गयी हैं ;

(ख) प्रत्येक राज्य में कितनी दूकानें हैं ; और

(ग) प्रत्येक राज्य को कितनी चीनी दी गयी है ?

परिवहन तथा संचार और खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री स० का० पाटिल) : (क) सात ।

(ख) जहां तक भारत सरकार को ज्ञात है चीनी की बिक्री के लिये जो उचित मूल्य की दूकानें खोली गई हैं उनकी संख्या निम्नलिखित हैं :

उत्तर प्रदेश	१३४९	
पंजाब	१८९२	
असम	१७४	
मद्रास	१६२०	दक्षिण भारतीय चीनी मिल्स एसोसियेशन द्वारा खोली गईं ।
केरल	७६५	
आंध्र प्रदेश (हैदराबाद और सिकन्दराबाद नगर)	६९	निजाम चीनी मिल्स द्वारा खोली गईं ।
मैसूर (बंगलौर और मैसूर नगर)	७०	मैसूर सूगर कं० के द्वारा खोली गईं ।

(ग) २७ जुलाई, १९५९ को किये गये वितरण में से उत्तर प्रदेश, पंजाब और असम को निम्नलिखित मात्रा में चीनी का वण्टन किया गया :

उत्तर प्रदेश	२५,००० टन
पंजाब	१२,००० टन
असम	५,००० टन

उत्तर प्रदेश और उत्तर बिहार की चीनी मिलों से मद्रास, आंध्र प्रदेश, मैसूर और केरल राज्यों को चीनी का वण्टन नहीं किया

गया क्योंकि यह सब राज्य मिलकर एक क्षेत्र बनाते हैं जो चीनी के लिये प्राय: आत्म-निर्भर है ।

पंजाब में पानी का इकट्ठा हो जाना

१५१०. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पंजाब में गत वर्ष की वर्षा के रुके हुए पानी को निकालने के लिये केन्द्रीय सरकार ने कुल कितना अनुदान दिया है ?

सिंचाई और विद्युत् उपमंत्री (श्री हाथी) : बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम के अधीन राज्य सरकारों को कोई अनुदान नहीं दिये जाते । जमीन की सतह से पानी की निकासी के सुधार सम्बन्धी कार्यों समेत स्वीकृत बाढ़ नियंत्रण योजनाओं पर खर्चे के लिये ऋण दिये जाते हैं । १९५८-५९ में पंजाब सरकार को १३० लाख रुपये का ऋण मंजूर किया गया था और चालू वित्त वर्ष के लिये ९८ लाख रुपये की राशि नियत की गई है ।

Paleza Bogie

1511. **Shri Jhulan Sinha:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that bogie popularly known as the Paleza bogie used to be attached to the evening train running from Savan to Palezaghat direct *via* Mashrak;

(b) whether it is a fact that this amenity to the passengers on these lines has been withdrawn; and

(c) if so, since when and the reasons therefor?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes, a IIIrd class bogie.

(b) Yes.

(c) With effect from 1st July 1958; due to poor patronage the average number of passengers booked by this through coach being only 18 as against the accommodation available for 64 persons.

कोचीन बन्दरगाह में हड़ताल

१५१२. **श्री रघुनाथ सिंह** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केरल में आन्दोलन के समय कोचीन पत्तन में कितने गोदी, पत्तन अथवा बन्दरगाह कर्मचारियों तथा श्रमिकों ने हड़ताल की ; और

(ख) जहाजों पर माल लादने और उतारने के काम के तथा अन्य काम के रुक जाने के फलस्वरूप कितनी हानि हुई ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) १२ व २९ जून और २४ जुलाई, १९५९ को क्रमश: लगभग ६३०, ९०० और १,००० कर्मचारियों तथा मजदूरों ने हड़ताल की ।

(ख) लगभग ५२,०७८ रुपये । इसमें से ५२,००० रुपयों का नुकसान जहाजों के पत्तन में बेकार खड़े रहने के कारण हुआ । बाकी ७८ रुपये पत्तन प्रशासन को उन कर्मचारियों को देने पड़े जो इस दौरान हाजिरी पर आते रहे और जिनको इस हड़ताल की वजह से काम नहीं दिया जा सका ।

R.M.S. Office, Kozhikode

1513. **Shri Tangamani:**
Shri A. K. Gopalan:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state how far the work of establishing a railway mail service office at Kozhikode has progressed?

The Minister of Transport and Communications and Food and Agriculture (Shri S. K. Patil): The proposal was examined by the Postmaster-General, Madras, and dropped, since it was found that neither the concentration of mails at Kozhikode was